सेन्ट्रल जोन इंश्योरेंस एम्पलाईज एसोसियेशन

(ए.आई.आई.ई.ए. से संबद्ध)

33, प्रभांजलि, आर.डी.ए. कालोनी, टिकरापारा, रायपुर (छ.ग.)

अध्यक्ष : का. एन. चक्रवर्ती

महासचिव : का. डी. आर. महापात्र

परिपत्र क्र. : 05/2019

दिनांक : 16/06/2019

मध्य क्षेत्र के समस्त साथियों के नाम

प्रिय साथियों ,

विषय : का. ऊषा परगनिहा, का. ब्रजेश ठाकुर, का. दिलीप भगत की भारतीय जीवन बीमा निगम की सेवाओं से सेवानिवृत्ति

सेन्ट्रल जोन इंश्योरेंस एम्पलाईज एसोसियेशन की महिला समिति की संयोजिका काम. ऊषा परगनिहा, कोषाध्यक्ष काम. बी.के. ठाकुर व सह कोषाध्यक्ष काम. दिलीप भगत आगामी 30 जून 2019 को भारतीय जीवन बीमा निगम की सेवाओं से सेवानिवृत्त होने जा रहे हैं। हम सेन्ट्रल जोन इंश्योरेंस एम्पलाईज एसोसियेशन की ओर से इन साथियों का क्रान्तिकारी अभिनंदन करते हैं।

चाहे भारतीय जीवन बीमा निगम हो या मध्य क्षेत्र का बीमा संगठन सीजेडआईईए, दोनों को ही तमाम झंझावातों से हिफाजत कर मौजूदा दौर तक पहुंचाने में इन साथियों का अप्रतिम योगदान रहा है। भारतीय जीवन बीमा निगम की सेवाओं में आने के बाद से ही ये साथी एआईआईईए की विचारधारा से प्रभावित होकर संगठन को सुदृढ़ बनाने में सक्रिय हो गये। निश्चय ही इन साथियों का योगदान अतुलनीय है।

काम. ऊषा परगनिहा :

का. ऊषा परगनिहा का जन्म 29 जून 1959 को दुर्ग जिले के भिलाई में हुआ। उन्होंने विज्ञान से स्नातक एवं समाजशास्त्र में एम.ए. तत्पश्चात एलएलबी की शिक्षा भी प्राप्त की। 29 जनवरी 1985 को रायपुर मंडल के मंडल कार्यालय में स्टेनो के पद पद निगम में सेवा प्रारंभ की। कार्यालयीन कार्यों के प्रति पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ ही एआईआईईए की विचारधारा से प्रभावित होकर उन्होंने आरंभिक दिनों से ही इसके कार्यकलापों में भागीदारी प्रारंभ कर दी। उनकी इन्हीं सांगठनिक प्रतिबद्धताओं के चलते एआईआईईए के फैसलों के अनुरूप बीमा उद्योग में कार्यरत महिला साथियों को ट्रेड यूनियन में सक्रिय करने महिला समिति का निर्माण किया गया तो 1991 में उन्होंने आरडीआईईयू की महिला समिति की संयोजिका बनाया गया। जुलाई 1991 में उनका भिलाई स्थानांतरण हो गया। 1992 में उ.श्रे.स. पद से पदोन्नत होकर उनकी राजनांदगांव पदस्थापना हुई। 1993 में राजनांदगांव से भिलाई स्थानांतरित होकर भिलाई-1 में पदस्थापित हुईं और आज पर्यंत भिलाई-1 में कार्यरत हैं। काम. ऊषा आरडीआईईयू की वर्ष 1999 में सहसचिव चुनी गईं जब वर्ष 1998 में क्षेत्रीय स्तर पर सीजेडआईईए की महिला समिति का निर्माण हुआ तो उन्हें क्षेत्रीय संयोजिका चुना गया। तब से लेकर आज तक मध्य क्षेत्र के महिला साथियों की ट्रेड यूनियन के साथ साथ अनेक किस्म की सामाजिक गतिविधियों में भागीदारी में गुणात्मक रूप से शानदार बदलाव आया है। हमारी महिला समिति और संगठन के विभिन्न स्तरों पर नेतृत्व में भी महिला साथियों की सराहनीय भूमिका विकसित हुई है। वर्ष 1999 में आरडीआईईयू की सहसचिव तथा वर्ष 2017 में उपाध्यक्ष निर्वाचित हुईं। सीजेडआईईए के बिलासपुर सम्मेलन में का. ऊषा परगनिहा को सीजेडआईईए का उपाध्यक्ष चुना गया। वे 1998 से ही सीजेडआईईए की कार्यकारिणी की सदस्या रहीं। बीमा उद्योग की चहारदीवारी के बाहर व्यापक जनवादी आंदोलन में भी वे सक्रिय रहीं। अखिल भारती जनवादी महिला समिति की राज्य संयोजिका तथा बाद में राज्य कोषाध्यक्ष के रूप में भी उन्होंने महिला आंदोलन का नेतृत्व किया। मजदूर वर्ग की वर्गीय विचारधारा तथा उनके संघर्षों के विकास में काम. ऊषा सदैव पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ सक्रिय रहीं। निश्चय ही सेवानिवृत्ति के बाद भी संगठन जनवादी आंदोलन को उनकी सेवाएं प्राप्त होती रहेंगी।

काम. बी.के. ठाकुर -

काम. बी.के. ठाकुर का जन्म 27 जून 1959 को रायपुर में हुआ। उन्होंने जियोलॉजी में एमएससी के साथ ही एलएलबी की शिक्षा प्राप्त की। निगम की सेवाओं में आने के पूर्व काम. ठाकुर ने वर्ष 1982 में कुछ समय तक केमिस्ट ने वर्ष 1982 में कुछ समय तक केमिस्ट पद पर तथा हिन्दुस्तान लीवर लिमिटेड में लेखांकन का कार्य किया था। वे एलआईसी में वर्ष 1982 में अस्थाई सहायक के रूप में भी कुछ समय कार्य किये। डेढ़ वर्ष तक 1983 में रायपुर-बिलासपुर ग्रामीण बैंक, कसडोल तथा मार्च 1985 में सेन्ट्रल एम्पलाईज इंदौर में भी कार्य किये। वहां से त्यागपत्र देकर 31 अक्टूबर 1985 को काम. ठाकुर ने बिलासुपर शाखा क्र.-1 में सहायक के रूप में निगम में सेवा प्रारंभ की। मई 1986 में वे मंडल कार्यालय रायपुर स्थानांतरित हुए। निगम में आने के बाद एआईआईईए के आंदोलन व संघर्षों ने उन्हें प्रभावित किया व संगठन के कार्यों में वे सक्रिय होने लगे। जल्द ही वे बुलंद आवाज के साथ नारे लगाने वाले के रूप में पहचाने जाने लगे। 1986 में वे आरडीआईईयू के सह कोषाध्यक्ष

चुने गये। सीजेडआईईए के निर्माण के बाद 1995 में सीजेडआईईए के ग्वालियर में संपन्न हुए प्रथम सम्मेलन में ही वे सीजेडआईईए के कोषाध्यक्ष निर्वाचित हुए। इसके तुरंत बाद ही 1996 में सीजेडआईईए का मुखपत्र आंदोलन की खबर का प्रकाशन प्रारंभ हुआ। काम. ठाकुर को इसके प्रबंधक का दायित्व सौंपा गया। तब से लेकर आज तक वे अपनी सांगठनिक प्रतिबद्धता, निष्ठा के साथ निरंतर इस दायित्व का निर्वहन कर रहे हैं । आपने सांगठनिक दायित्वों के साथ-साथ कार्यालयीन दायित्व व रायपुर मंडल के को.ऑप. सोसायटी तथा क्रीड़ा व मनोरंजन समिति के सह सचिव पद पर भी अपनी सेवाएं प्रदान कीं। मजदूर वर्ग के वर्गीय विचारधारा के साथ साथ रंगकर्म व साहित्य व व्यापक जनवादी आंदोलन में भी उनकी भूमिका अहम रही। वे उत्कृष्ट मंचीय कलाकार के रूप में रायपुर के नामीगिरामी नाट्यनिर्देशकों के निर्देशन में अनके नाटकों के मंचन भी किये। आरडीआईईयू के अनेक सम्मेलनों में भी काम. ठाकुर व अन्य साथियों ने नाटकों का प्रदर्शन किया। समय-समय पर विभिन्न विषयों में उनकी इस रुचि के चलते समाचार पत्रों में अनेक लेख भी प्रकाशित हुए।

वर्ष 2003 में जब सीजेडआईईए के तत्वावधान में आरडीआईईयू के द्वारा रायपुर में एआईआईईए के ऐतिहासिक महासम्मेलन का आयोजन हुआ। तब काम. ठाकुर ने उसके स्वागत समिति के कोषाध्यक्ष के चुनौतीपूर्ण दायित्व का भी उन्होंने बखूबी निर्वहन किया। वे कुशल संगठनकर्ता तथा किसी भी विषय पर अपनी बातों को बेवाक व बेझिझक अभिव्यक्त करने वाले साथी के रूप में जाने जाते हैं। उच्च श्रेणी सहायक के रूप में पदोन्नति के बाद कुछ समय महासमुंद शाखा में भी पदस्थ रहे। वर्तमान में वे मंडल कार्यालय रायपुर में पदस्थ हैं। काम. ठाकुर को निगम से सेवाओं की सेवानिवृत्ति पर हम असंख्य अभिनंदन प्रेषित करते हुए यह विश्वास व्यक्त करते हैं कि आगामी दिनों में भी बीमा कर्मचारियों तथा व्यापक जनवादी आंदोलन को उनका नेतृत्व व सक्रिय योगदान उपलब्ध होगा।

काम. दिलीप भगत :

बीमा कर्मचारियों के आंदोलन के एक और नेतृत्वकारी साथी काम. दिलीप कुमार भगत लगभग 35 वर्ष की अविरल सेवा के बाद से 30 जून 2019 को सेवानिवृत्त हो रहे हैं। निगम की सेवा के साथ साथ वे संगठन को मजबूत बनाने के लिए सांगठनिक कार्यों को पूर्ण समर्पण व प्रतिबद्धता के साथ करते रहे। इसके चलते वे जल्द ही बीमा कर्मचारियों के मध्य लोकप्रिय रहे। काम. दिलीप कुमार भगत का जन्म 1 जुलाई 1959 को जबलपुर में हुआ। वे बी. काम. स्नातक हैं। उन्हें पीडब्ल्यूडी विभाग में भी ट्रेलर पद पर कार्य करने का अनुभव प्राप्त है।

काम. दिलीप 6 अगस्त 1984 को निगम में सहायक पद पर धमतरी शाखा में पदस्थ हुए। उन्होंने निगम में आने के बाद से ही एआईआईईए के सिपाही के रूप में अपनी संघर्ष यात्रा की शुरुआत कर दी थी। स्थानांतरण के पश्चात वे क्रय विभाग में पदस्थ हुए। 1983 में उ.श्रे.स. पद पर पदोन्नत होकर महासमुंद शाखा गए, जहां से वर्ष 1985 में मंडल कार्यालय वापस आकर मं.का. के कार्यालयीन सेवा विभाग में स्टेशनरी विभाग में वर्तमान में पदस्थ हैं। वे संगठन में अपनी सक्रियता व निष्ठा दर्शाते रहे। इन्हीं सांगठनिक प्रतिबद्धताओं के कारण उन्हें आरडीआईईयू का सह कोषाध्यक्ष निर्वाचित किया गया। आरडीआईईयू की कार्यकारिणी में भी आप रहे। वर्ष 2010 में सीजेडआईईए के सह कोषाध्यक्ष निर्वाचित हुए। वे वर्तमान में इस पद पर सक्रियता के साथ कार्यरत हैं। आंदोलन की खबर के वितरण की जिम्मेदारीपूर्ण कार्य भी बखूबी निभा रहे हैं। खेल में उनकी रुचित के चलते क्रीड़ा समिति में लगभग 8 वर्षों के लंबे समय तक सचिव पद पर कार्यरत रहे। संगठन उनकी सेवानिवृत्ति के अवसर पर इस तथ्य को पूरी मुखरता के साथ रेखांकित करते हुए गौरव महसूस करता है कि संगठन के अधिवेशन हो या संगठन द्वारा सौंपे गये कार्य हों, उन्होंने जिस सहज तरीके से किया, वह अतुलनीय है।

काम. बी.के. ठाकुर, काम. ऊषा परगनिहा, काम. दिलीप भगत ने उ.श्रे. सहायक पद पर पदोन्नति के बाद आगे की पदोन्नति न लेकर संगठन में सक्रियता से काम करने का साहसिक निर्णय लिया। निश्चय ही यह एक क्रांतिकारी फैसला था। हम इसके लिए इन साथियों का अभिनंदन करते हैं।

सांगठनिक कार्यों में बीमा कर्मचारी आंदोलन के प्रति समर्पण की उनके इस फैसले के हर कदम पर उनके परिजनों का भी संगठन को तथा व्यक्तिगत रूप से इन साथियों को पूर्ण सहयोग व समर्थन प्राप्त हुआ जिसके बिना उनके लिए यह दायित्व संभव नहीं हो पाता इसलिए संगठन की ओर से काम. ठाकुर की पत्नि व उनके दोनों पुत्र, काम. ऊषा परगनिहा के माता-पिता व अन्य परिजन तथा काम. दिलीप भगत की पत्नि, उनके पुत्र-पुत्री के प्रति हृदय से कृतज्ञता व्यक्त करते हैं।

इन साथियों ने व्यक्तिगत जीवन व लाभों को सार्वजनिक जीवन स सामूहिक लाभों के लिए समर्पित किया। एआईआईईए के संघर्षों की सतत जलती मशल ऐसे ही अनगिनत साथियों की सांगठनिक प्रतिबद्धता व त्याग की देन है। निश्चय ही संगठन के प्रति इन कुर्बानियों से प्रेरित होकर बीमा कर्मचारी की मौजूदा पीढ़ी और भावी युवा पीढ़ी भी प्रेरणा लेकर अपने को समर्पित करेगी ताकि हम आगामी चुनौतियों का मुकाबला करने के साथ साथ हमारे प्यारे संगठन आरडीआईईयू, सीजेडआईईए व एआईआईईए की अवरिल धारा की गति न केवल कायम रख सकें बल्कि उसे और अधिक सशक्त परिपक्व व बेहतर बना सकें। इन्हीं विश्वास के साथ काम. ऊषा, काम. ठाकुर, काम. भगत को लाल सलाम।

क्रान्तिकारी अभिवादन के साथ...

आपका साथी

(डी.आर. महापात्र)

महासचिव